भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1578
उत्तर देने की तारीख 09.02.2026

पुरुलिया जिला विज्ञान केंद्र का विकास एवं संवर्धन

1578. श्री ज्योतिर्मय सिंह महतो :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान पुरुलिया स्थित जिला विज्ञान केंद्र में आने वाले छात्रों/पर्यटकों की कुल संख्या वर्षवार कितनी है और क्या आगंतुकों की संख्या में वृद्धि या कमी आई है;

(ख) पुरुलिया, जंगलमहल और आसपास के क्षेत्रों के स्कूली छात्रों को उनके शैक्षणिक पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में विज्ञान केंद्र का दौरा करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु उठाए गए / उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ग) गत पांच वर्षों के दौरान पुरुलिया जिला विज्ञान केंद्र को आवंटित कुल निधि, जिसमें अवसंरचना विकास, नए प्रदर्शन और तकनीकी उन्नयन शामिल हैं, का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार की विज्ञान केंद्र के विस्तार या आधुनिकीकरण, जिसमें नए प्रदर्शन, डिजिटल अधिगम उपकरण और उन्नत विज्ञान आउटरीच कार्यक्रमों की शुरुआत शामिल है, की कोई योजना है; और

(ङ) क्या सरकार ने उक्त विज्ञान केंद्र के माध्यम से छात्रों और आम जनता के बीच वैज्ञानिक जागरूकता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कोई विशेष पहल की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान जिला विज्ञान केंद्र, पुरुलिया का दौरा करने वाले छात्रों/पर्यटकों की कुल संख्या का वर्ष-वार विवरण निम्नानुसार है:

वर्ष	**संग्रहालय में आगंतुक**	**आउटरीच आगंतुक (एमएसई)**
2022-23	186641	46867
2023-24	188191	201332
2024-25	190729	230193
2025-26 (26.01.2026 तक)	150889	71630

उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट होता है कि राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम) की एक घटक इकाई, जिला विज्ञान केंद्र, पुरुलिया में आने वाले आगंतुकों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है।

(ख): पुरुलिया, जंगलमहल और पड़ोसी क्षेत्रों के स्कूली छात्रों को उनके शैक्षणिक पाठ्यक्रम के भाग के रूप में विज्ञान केंद्र का दौरा करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु उठाए गए/उठाए जा रहे कदमों का विवरण **अनुलग्नक-I** पर संलग्न है।

(ग): विगत पांच वर्षों में जिला विज्ञान केंद्र, पुरुलिया को अवसंरचना के विकास, नई प्रदर्शनियों, डिजिटल शिक्षण उपकरणों और उन्नत विज्ञान आउटरीच कार्यक्रमों सहित आवंटित कुल धनराशि का विवरण नीचे दी गई तालिका में दिया गया है:-

(लाख रुपए में)

वर्ष	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**
जीआईए-वेतन	60.12	65.67	69.73	77.76	80.17
जीआईए-सामान्य	37.88	37.61	69.66	82.42	113.22
जीआईए-सीसीए	3.27	9.19	1.98	15.83	20.48
कुल आवंटन	**101.27**	**112.47**	**141.37**	**176.01**	**213.87**

(घ): विज्ञान केंद्र के विस्तार या आधुनिकीकरण की स्कीमों, जिसमें नई प्रदर्शनियों, डिजिटल शिक्षण उपकरणों और उन्नत विज्ञान आउटरीच कार्यक्रमों की शुरुआत शामिल है, का विवरण **अनुलग्नक-II** पर संलग्न है।

(ङ): युवा मस्तिष्क की रचनात्मकता को जाग्रत करने और उनमें नवाचार की भावना को बढ़ावा देने के लिए 19 दिसंबर 2019 को जिला विज्ञान केंद्र, पुरुलिया में नवाचार केंद्र का उद्घाटन किया गया। 170 व्यक्तिगत सदस्यों और 360 संस्थागत सदस्यों के साथ, इस केंद्र ने कई नवीन परियोजनाओं के विकास को प्रोत्साहित किया है।

छात्रों और आम नागरिकों के बीच वैज्ञानिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए समाज के वंचित वर्गों तक पहुँचने हेतु जिला विज्ञान केंद्र, पुरुलिया द्वारा विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल विज्ञान प्रदर्शनियाँ आयोजित की जाती हैं।

*****

अनुलग्नक–I

'पुरुलिया जिला विज्ञान केंद्र का विकास एवं संवर्धन' के संबंध में दिनांक 9 फरवरी, 2026 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1578 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

स्कूली छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए उठाए गए/उठाए जा रहे कदम:

i. पुरुलिया और पड़ोसी क्षेत्र, दोनों के छात्रों को विभिन्न कार्यक्रमों जैसे पीबीएसएसएम के सहयोग से विज्ञान शिविर और आवासीय केजीबीवी हॉस्टलों में आकाश अवलोकन शिविर में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

ii. स्कूली छात्रों को विज्ञान संगोष्ठी, विज्ञान नाटक, प्रश्नोत्तरी, हॉबी कैंप और विज्ञान मॉडल प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

iii. उन्हें वैज्ञानिक संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्मारक दिवस समारोहों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

iv. विज्ञान को जमीनी स्तर तक ले जाने के लिए, केंद्र ने वंचित स्कूली छात्रों और जंगलमहल क्षेत्र के छात्रों के लिए कुछ कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

v. पुरुलिया केंद्र ने ग्रामीण स्कूली छात्रों के लिए मोबाइल विज्ञान प्रदर्शनी (एमएसई) का आयोजन किया। यह प्रदर्शनी छात्रों और आम लोगों के लिए समान रूप से कार्यशील मॉडल के साथ अत्यधिक शिक्षाप्रद है। पिछले तीन वर्षों में, दो मोबाइल विज्ञान प्रदर्शनी बसों ने 294 स्कूलों को कवर किया है और एमएसई कार्यक्रमों के दौरान स्कूली छात्रों के साथ 788 दिन बिताए हैं।

जिला विज्ञान केंद्र, पुरुलिया- नवाचार केंद्र :

19 दिसंबर 2019 को शुरू, डीएससी पुरुलिया का नवाचार केंद्र युवा दिमागों की रचनात्मकता को जाग्रत करने का एक मंच बन गया है। 170 व्यक्तिगत सदस्यों और 360 संस्थागत सदस्यों के साथ, इस केंद्र ने कई नवीन परियोजनाओं के विकास को बढ़ावा दिया है।

गत वर्ष केंद्र ने नवाचार केंद्र के सदस्यों के लिए 19 गतिविधि कार्यक्रम और जेएनवी पुरुलिया एवं सैनिक स्कूल पुरुलिया के विज्ञान ज्योति स्कॉलर्स के लिए 14 नवाचार परियोजना कार्यक्रम आयोजित किए। मार्च 2024 में दीघा विज्ञान केंद्र और राष्ट्रीय विज्ञान शिविर द्वारा आयोजित नवाचार उत्सव 2024 में दो सदस्यों ने भाग लिया और इस उत्सव में प्रथम स्थान प्राप्त किया। दिसंबर 2024 में, तीन प्रतिभाशाली सदस्यों ने आईआईटी बॉम्बे द्वारा आयोजित टेकफेस्ट 2024 में भाग लिया और इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में 20 हजार के नकद पुरस्कार के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस वर्ष, नवाचार केंद्र ने तीन अभूतपूर्व परियोजनाएं विकसित करने में सफलता प्राप्त की है:

1. एआई स्वचालित मौसम केंद्र
2. एच. ए. आर. आई. एस. एच. - हमारा अपना एआई नवाचार
3. स्मॉग हॉक (सतत विकास के लिए ड्रोन आधारित प्रदूषण निगरानी प्रणाली)
4. बी बी कॉलेज, आसनसोल के लिए मौसम केंद्र परियोजना का कार्य प्रगति पर है।

इन परियोजनाओं के लिए कॉपीराइट और पेटेंट सुरक्षा हेतु आवेदन किया गया है।

अनुलग्नक–II

'पुरुलिया जिला विज्ञान केंद्र का विकास एवं संवर्धन' के संबंध में दिनांक 9 फरवरी, 2026 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1578 के भाग (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

नए प्रदर्शनों, डिजिटल शिक्षण उपकरणों और उन्नत विज्ञान आउटरीच कार्यक्रमों की शुरुआत सहित विज्ञान केंद्र के विस्तार या आधुनिकीकरण की योजनाओं से संबंधित ब्यौरा :

- महिला वैज्ञानिकों की प्रतिमाओं की स्थापना इस वित्तीय वर्ष (2025-26) तक पूरी करने का प्रस्ताव है।
- आगामी वित्तीय वर्ष (2026-27) में, डीएससी पुरुलिया के निम्नलिखित क्षेत्रों को आधुनिक बनाने की योजना बनाई गई है:

I. **'विंग्स ऑफ वंडर' नामक गैलरी का विकास:** जिले की अद्वितीय वनस्पतियों और जीवों को प्रदर्शित करने के लिए एक गैलरी का प्रस्ताव दिया गया है, जिसमें 'साहब बांध' नामक स्थानीय जल निकाय के आसपास के प्राकृतिक प्रवासी पक्षी अभयारण्य को चित्रित करने पर जोर दिया जाएगा। नई गैलरी 'वेल्थ ऑफ पुरुलिया' नामक पुराने प्रदर्शन का स्थान लेगी और लगभग 500 वर्ग मीटर के फर्श क्षेत्र को कवर करेगी।

II. **'वर्चुअल रियलिटी थिएटर' का विकास:** आधुनिक प्रौद्योगिकियों की प्रगति के साथ तालमेल बिठाने के लिए, लगभग 25 व्यक्तियों की क्षमता वाला एक अत्याधुनिक वर्चुअल रियलिटी थिएटर बनाने का प्रस्ताव दिया गया है, जहाँ प्रत्येक सीट कम से कम 3 डीओएफ मोशन प्लेटफॉर्म द्वारा संचालित होगी और साथ में वीआर हेडसेट या वैकल्पिक रूप से एक बड़े प्रारूप वाली स्क्रीन होगी जो मनोरंजन के माध्यम से अनौपचारिक शिक्षा प्रदान करने के लिए इमर्सिव अनुभव प्रदान करेगी।

III. **टिकट बुकिंग प्रणाली का नवीनीकरण:** केंद्र में सुचारू प्रवेश की सुविधा और नकद लेनदेन की परेशानी को कम करने के लिए यूपीआई और बैंक कार्ड जैसे आधुनिक गेटवे के माध्यम से भुगतान की स्वीकृति के साथ ऑनलाइन बुकिंग का समावेश।

*****